कक्षा- 11 एवं 12

हिंदी भाषा और साहित्य की कथा

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

हिंदी भाषा और साहित्य की कथा

ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा की पूरक पुस्तक

(राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड ।

प्रथम संस्करण : 2008

पुनर्मुद्रित : 2010-11

मूल्य : रु० 20.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800 001 द्वारा प्रकाशित तथा श्री साईं ऑफसेट, संदलपुर, पटना-7 द्वारा एच.पी.सी. के 70 जी.एस.एम. क्रीम वोभ (वाटर मार्क) टेक्स्ट पेपर पर कुल 50,000 प्रतियाँ 24×18 से०मी० साईज में मुद्रित ।

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

प्राक्कथन

मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार जुलाई 2007 से राज्य की उच्च माध्यमिक कक्षाओं (कक्षा - XI-XII) हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया है। नए पाठ्यक्रम के आलोक में भाषा की पुस्तकों का विकास एस० सी० ई० आर० टी०, पटना द्वारा तथा आवरण डिजाइनिंग एवं मुद्रण बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम के द्वारा किया गया है। यह पुस्तक उसी शृंखला की एक कड़ी है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा (कक्षा - I-XII) के गुणवत्तापूर्ण सशक्तीकरण के लिए कृतसंकल्पित शिक्षा के समर्थ योजनाकार माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री हरिनारायण सिंह तथा मानव संसाधन विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह के मार्ग-निर्देशन के प्रति हम कृतज्ञ हैं।

हमें आशा है कि यह पुस्तक राज्य की वर्तमान एवं भावी पीढ़ी के लिए ज्ञानोपयोगी सिद्ध होगी। एस० सी० ई० आर० टी० के निदेशक के हम आभारी हैं, जिनके नेतृत्व में इस पुस्तक को विकसित किया गया।

हमें आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शिक्षार्थी के ज्ञानवर्धक एवं उपलब्धि-स्तर की वृद्धि में सहायक होगी। संवर्द्धन एवं परिष्करण की संभावनाएं सदैव भविष्य की गोद में सुरक्षित रहती हैं। प्रकाशन एवं मुद्रण में निरंतर अभिवृद्धि के प्रति समर्पित बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

प्रबंध निदेशक

बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम लि०

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

संरक्षण

श्री हसन वारिस, निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार।

श्री रघुवंश कुमार, निदेशक (शैक्षणिक), बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक प्रभाग), पटना।

श्री सैय्यद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार।

पाठ्यपुस्तक विकास समिति

अध्यक्ष, हिंदी भाषा समूह

प्रो० भृगुनंदन त्रिपाठी, हिंदी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

समन्वयक, हिंदी भाषा समूह

डॉ० हेमंत कुमार हिमांशु, सहायक संपादक, ज्ञान विज्ञान, पटना।

सदस्य, हिंदी भाषा समूह

श्री आशुतोष पार्थेश्वर, व्याख्याता, हिंदी विभाग, ओरियंटल कॉलेज, मगध विश्वविद्यालय, पटना।

डॉ० मधु मंजरी, हिंदी विभाग, मगध महिला महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

डॉ० दिलीप राम, व्याख्याता, हिंदी विभाग, बी० एन० कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक) की समीक्षा समिति के सदस्य

प्रो० रामबुझावन सिंह, निदेशक, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।

डॉ० जगदीश नारायण चौबे, अ० प्रा० प्रोफेसर, हिंदी विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

अकादमिक सहयोग

डॉ० कासिम खुर्शीद, अध्यक्ष, भाषा शिक्षा, शिक्षा विभाग, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

डॉ० अर्चना, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

श्रीमती बीर कुमारी कुजूर, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

डॉ० रीता राय, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

डॉ० सुरेंद्र कुमार, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

डॉ० स्नेहाशीष दास, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

डॉ० इम्तियाज आलम, व्याख्याता, एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

अकादमिक संयोजक, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विकास समिति

श्री ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट), एस० सी० ई० आर० टी०, पटना।

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम (2007) के आधार पर तैयार की गई है। इस पुस्तक के विकास में इस बात का ध्यान रखा गया है कि ''शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही-सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें, और साथ ही साथ इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।'' राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 हमें बताती हैं कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। किताब और किताब से बाहर की दुनिया आपस में गुँथी होनी चाहिए। आशा है कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित शिक्षार्थी केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएगा।

इस पुस्तक में किशोरियों-किशोरों की कल्पनाशक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों की सृजनशीलता, उनके सवाल करने और उनका उत्तर पाने के मौलिक अधिकार के समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। निश्चय ही इसमें शिक्षार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों की भी गहरे लगाव के साथ उतनी ही भूमिका होनी चाहिए। शिक्षार्थियों के प्रति संवेदना और सहानुभूति के साथ उन्हें पुस्तक में गहरी सक्रिय सहभागिता बरतनी होगी। पुस्तक में दिया गया अभ्यास शिक्षार्थियों की विषय पर पकड़ बनाने में मदद करेगा, साथ ही उनके भीतर व्यापक जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिलेगा। पुस्तक की परिकल्पना में अनेक महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। छात्र उत्सुकता और आनंद के साथ तनावमुक्त रीति से उन्हें पढ़ते हुए बहुविध जानकारी प्राप्त करें और उस जानकारी का ज्ञान के सृजन में उपयोग कर सकें।

एस० सी० ई० आर० टी० सर्वप्रथम बिहार के मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार, मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री हरिनारायण सिंह एवं प्रधान सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह तथा इस पुस्तक के लेखन में जिन आधारग्रंथों एवं रचनाओं-रचनाकारों का उपयोग किया गया है उनके प्रति विशेष आभार प्रकट करती है, और साथ ही इस पुस्तक के विकास के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक विकास समिति के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करती है। हिंदी भाषा समूह के अध्यक्ष प्रो० मृगुनंदन त्रिपाठी, समन्वयक डॉ० हेमंत कुमार हिमांशु, सदस्य श्री आशुतोष पार्थेश्वर, डॉ० मधु मंजरी और श्री आनंद बिहारी के प्रति हम विशेष आभार प्रकट करते हैं। इन्होंने गहरी सूझबूझ, अथक परिश्रम और भावात्मक लगाव के साथ इस कार्य को तत्परतापूर्वक संपन्न किया। प्रो० रामबुझावन सिंह एवं डॉ० जगदीश नारायण चौबे ने पुस्तक-निर्माण की प्रक्रिया में समय-समय पर अपने रचनात्मक सुझावों और परामर्शों से हमें लाभान्वित किया, एतदर्थ हम इनके भी आभारी हैं। पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक विकास समिति के अकादमिक संयोजक श्री ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी के प्रति भी हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। श्री त्रिपाठी की एकनिष्ठ सक्रियता का ही परिणाम है कि यह पुस्तक आपके हाथों में पहुँच सकी है। पुस्तक की कंपोजिंग, पेज मेकिंग और टाइप सेटिंग के लिए एरिश कंप्यूटर, रमना रोड, पटना के **अखिलेश कुमार** और **मुदस्सर नजर** बधाई के पात्र हैं।

पुस्तक आपके हाथों में है। इसे पढ़ने-पढ़ाने के प्रसंग में हुए अनुभवों से उपजे परामर्शों एवं सुझावों की हमें हमेशा प्रतीक्षा रहेगी।

हसन वारिस
निदेशक (प्रभारी)
राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

यह किताब

यह किताब बिहार के उन छात्रों के लिए है जो वर्ग - 11 और 12 में पढ़ते हैं । बिहार सरकार की नई शिक्षा नीति के आलोक में विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी विषय की पाठ्यपुस्तक 'दिगंत' [भाग - 1 एवं 2] के साथ पूरक पुस्तक के रूप में यह प्रस्तावित और संस्तुत है । एस० सी० ई० आर० टी०, बिहार के तत्त्वावधान में इस नवीन पाठ्यक्रम का विशेषज्ञों द्वारा स्वरूप निर्धारण हुआ था । तदनुरूप इस पुस्तक ने मूर्त रूप ग्रहण किया है ।

यह किताब अपने धर्म और स्वरूप से हिंदी साहित्य के हजार से अधिक वर्षों में फैले हुए विकासात्मक इतिहास की अति संक्षिप्त रूपरेखा मात्र है । इसमें हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न युगों, प्रवृत्तियों, धाराओं, प्रवाहों, आवर्त्तों के साथ ही विधाओं, रचनारूपों एवं लेखकों की सारार्थबोधक समुच्चयधर्मी भास्वर रेखाएँ भर हैं। संपूर्ण इतिहास नहीं, इतिहास का संक्षिप्त प्रारूप मात्र । यहाँ निष्ठा और आग्रह तथ्यों में ही है, उनकी व्याख्या और विवेचन का प्रयत्न प्रायः नहीं अथवा स्वल्प है । स्वभावतः सर्वत्र सीमाओं का साक्षात्कार होगा, किंतु शक्ति का बोध एवं अनुभव भी । वास्तव में पुस्तक को इतिहास न कहकर 'कथा' कहने के पीछे यही तर्क रहा है । 'इतिहास' न कहने का कारण स्पष्ट है, किंतु इसे 'हिंदी भाषा और साहित्य की कथा' पुकारने की कैफियत भी क्या काफी है यहाँ ? शायद नहीं। कथा चाहे जितनी ढीली-ढाली हो, महज इतिवृत्त या वृत्तांत से कुछ अधिक होती है । वह ऊब न पैदा करे, मन में चाव जगाए; कुतूहल और अभिरुचि परिष्कार की दिशा में उद्बुद्ध हो । दूसरे शब्दों में वह बोझिल न हो, थोड़ी रचनात्मकता हो उसमें । क्या यहाँ ऐसा हो सका है ? बहरहाल, यह किताब तथ्यों के प्रबल आग्रह के कारण सही अर्थों में कथा नहीं बन सकती थी; और प्रयोजन को देखते हुए शायद यह काम्य भी न होता । लिहाजा, यह किताब इतिहास और कथा के बीच की संक्रमणात्मक अवस्था की वस्तु है । पुस्तक की यही प्रकृति और स्वरूप, इसके उद्दिष्ट और अधिकृत पाठकों को देखते हुए हमें संगत जान पड़े ।

हिंदी साहित्य का इतिहास या कथा प्रमुख रूप से हिंदी भाषी भू-भाग की जनता की जिजीविषा का साक्ष्य है । ऐतिहासिक साक्ष्य । हिंदी साहित्य और इसके इतिहास में हिंदी जनता के संकल्प-विकल्प, हर्ष-विषाद, आशा-निराशा, स्वप्न-यथार्थ और स्मृति-आकांक्षा आदि की प्रामाणिक अभिव्यक्ति होती आई है । यह हिंदी जनता की समन्वित और समवेत सांस्कृतिक एषणाओं, अभीप्साओं-लालसाओं आदि का निश्छल-निर्व्याज प्रमाण भी है । हिंदी जनता की

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

जीवनी शक्ति का सजीव मूर्तन यहाँ होता आया है । कहना न होगा कि हिंदी साहित्य के इतिहास या कथा का अनुशीलन हिंदी भाषा-साहित्य के शिक्षण में कितना वांछित और अनिवार्य है । अपनी भाषा, साहित्य, संस्कृति, इतिहास, स्मृति और सबसे बढ़कर अपनी जनता और समाज के लिए हार्दिकता, अपनापा और प्रीति अर्जित करने के लिए इसकी भारी शैक्षणिक उपादेयता है ।

हिंदी साहित्य की इस कथा में 'सबकुछ' समेट पाना न संभव था, न वांछित । फिर भी महत्त्वपूर्ण प्रवृत्तियाँ, रचना-रूप, रचना-प्रवाह, लेखक और उनकी कृतियाँ निश्चय ही छूट गई होंगी । एतदर्थ क्षमा चाहते हुए हम छात्रों, शिक्षकों, लेखकों और सामान्य पाठकों से सुझाव चाहेंगे; ऐसे सुझाव जो युक्ति और औचित्य के साथ पुस्तक के आगामी संस्करणों में भीतर-बाहर के परिष्कार में सहायक हो सकें ।

हेमंत कुमार हिमांशु
समन्वयक, हिंदी भाषा समूह

भृगुनंदन त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिंदी भाषा समूह

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

अनुक्रमणी

कक्षा - 11

1. हिंदी भाषा और साहित्य का आरंभ 9
2. आदिकाल 12
2. भक्तिकाल 22
3. रीतिकाल 36

कक्षा - 12

1. आधुनिक काल 46
(क) भारतेंदु युग 49
(ख) द्विवेदी युग 57
(ग) छायावाद 59
(घ) छायावादोत्तर काल (काव्य) 81
– प्रगतिशील काव्य 82
– राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविता 84
– उत्तर छायावादी कविताएँ 85
– प्रयोगवाद 86
– नई कविता 88
– समकालीन कविता 91
(ङ) छायावादोत्तर गद्य 92

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime

Abdiel Solutions
Empowering Technologies...